



सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी भी एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए। 20

अ) “मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर जीवन की सफलता निर्भर होती है” रामचंद्र शुक्ल ऐसा क्यों कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ) “धीर’ पुरुष का मन समुद्र के समान होता है।’ इस विषय पर निबंध लिखिए।

2. निम्नलिखित **किसी भी एक** ही समूह की सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। 20

समूह ‘अ’

क) “आधुनिकता” क्या है। शब्दार्थ पर विचार करें, तो “अधुना” या इस समय जो कुछ है, वह आधुनिक है। पर “आधुनिक” का यही अर्थ नहीं है। किंतु कुछ बातें इस समय भी ऐसी हैं, जो आधुनिक नहीं हैं, बल्कि मध्यकालीन हैं। सभी भावों के मूल में कुछ पुराने संस्कार और नये अनुभव होते हैं।

ख) हमारे पूर्वजों का कहना है कि वह सभा ही नहीं जहाँ वृद्ध नहीं हैं। ऐसे समाज की शिक्षा प्रणाली में लोक परंपरा का बड़ा महत्व होता है वहाँ शिक्षा के नए प्रकारों की परख का प्रश्न ही नहीं उठता जिनकी संस्कृति और इतिहास प्राचीन है।

ग) इस जगत में मृत्यु ही एकमात्र सत्य है। बाकि सब मिथ्या या माया है। जिसका उदय होता है, उसका अस्त होना अनिवार्य है। मगर पुनः उसका उदय होता है, और पुनः उसका अस्त भी होता है। इस प्रकार उदय और अस्त का यह क्रम युग युगान्तर से चला आ रहा है।

घ) जिस समाज में ऐसी व्यवस्था उत्पन्न होने लगती है, वहाँ नए समाज का उपक्रम करने के लिए युवकों का आंदोलन आरंभ हो जाता है और युवक अपनी संस्थाएँ बनाने लगते हैं। जब तक ऐसी अवस्था उत्पन्न नहीं हो जाती, तब तक किसी समाज में युवक आंदोलन की सृष्टि नहीं होती।

अथवा

समूह ‘ब’

च) विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा होती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया। विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधी है।

छ) “सुना है हमारे राज्य में भ्रष्टाचार है, पर वह कहाँ है, यह पता नहीं चलता। तुम लोग उसका पता लगाओ” मगर मिल जाए तो पकड़कर हमारे पास ले आना। अगर बहुत हो तो नमूने के लिए थोड़ा सा ले आना।”

- ज) परम्परा आधुनिकता को आधार देती है, उसे शुष्क और नीरस बुद्धि विलास बनने से बचाती है। उसके प्रयासों को अर्थ देती है, उसे असंयम और विशृंखल उन्माद से बचाती है। परम्परा और आधुनिकता से दोनों परस्पर विरोधी नहीं परस्पर पूरक है।
- झ) जीवन को बड़े बड़े कलाकारों ने अलग अलग विशेषणों से नामकरण किया है, जैसे शेक्सपियर ने इसे 'स्टेज' कहा है, तो किसी विद्वान ने इसे 'जर्नी' कहा है, और किसी ने इसे 'प्ले - ग्राउंड' कहा है, लेकिन मेरे अनुसार जीवन एक 'ब्लैक - मेलिंग' का अखाड़ा है इसके अतिरिक्त और कुछ भी नहीं।

3. निम्नलिखित समूह में से **किसी भी एक** समूह के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

20

समूह 'क'

- 1) छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।
- 2) रस के महत्व को समझाइये।
- 3) कवि निराला का जीवन परिचय दीजिए।
- 4) रस के प्रकार बतलाइये।

अथवा

समूह 'ख'

- 1) जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय लिखिए।
- 2) शृंगार रस की परिभाषा लिखिए।
- 3) छायावाद की विशेषता पर प्रकाश डालिए।
- 4) वीर रस की परिभाषा लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी पाँच** के उत्तर लिखिए।

10

- 1) युवकों का समाज में क्या स्थान है? स्पष्ट कीजिए।
- 2) छायावादी कवि कौन - कौन से हैं? लिखिए।
- 3) राजा ने राज्य में भ्रष्टाचार का पता लगाने के लिये कौन से और कितने आदमी बुलवाएँ?
- 4) वर्तमान कैसा आनंदमय दिखाई पड़ता है? और भविष्य के संबंध में कैसी लुभाने वाली कल्पनाएँ मन में रहती हैं? समझाइये।
- 5) आज के मनुष्य को पद, यश और स्वार्थ की भूख नहीं व्याधि लग गयी है। जो बहुत कुछ बटोर लेने के बाद भी शांत नहीं होती। यह वाणी किसकी है?
- 6) "धीर" की परिभाषा लिखिए।

- 7) वात्सल्य रस की परिभाषा लिखिए ।
- 8) अतीत से नाता तोड़ने में किसे कठिनाई होती है?
- 9) “फासिस्ट” राष्ट्र क्या है?
- 10) रस के प्रकार लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए ।

10

- 1) जीवन की औषधि क्या है?
- 2) ईर्ष्या का संबंध किससे है? यह चारित्रिक दोष नहीं है।
- 3) ‘परंपरा’ क्या है?
- 4) रस का महत्व लिखिए ।
- 5) छायावाद की कोई चार विशेषताएँ लिखिए ।

munotes.in